*** निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर के लिए दिए गए विकल्पों में से सही विकल्प चुनकर लिखिए।** [15]

1. घर के आँगन में कौन सा पेड़ है?

(A) नीम का (B) बरगद का (C) आम का (D) पीपल का

उत्तर : (C) आम का

2. पिताजी घर को क्या कहते हैं?

(A) मंदिर (B) आश्रम (C) सराय (D) महल

उत्तर : (C) सराय

3. लेखक के घर में कुल कितने व्यक्ति रहते हैं?

(A) दो (B) तीन (C) चार (D) पाँच

उत्तर : (B) तीन

4. बिल्ली कभी-कभी घर में क्यों झाँक जाती है?

(A) खेलने के लिए (B) दूध पीने के लिए (C) चूहे पकड़ने के लिए (D) शोर मचाने के लिए

उत्तर : (B) दूध पीने के लिए

5. पिताजी के अनुसार पक्षी उनके घर कैसे पहुँच जाते हैं?

(A) जैसे हमारे घर का पता लिखवाकर लाए हों (B) रास्ता भटककर

(C) खाने की तलाश में (D) खेल-खेल में

उत्तर: (A) जैसे हमारे घर का पता लिखवाकर लाए हों

6. पिताजी को गुस्सा आने पर माँ किस बात पर हँसने लगीं?

(A) चिड़ियों के नाचने पर

(B) पिताजी के कूदने पर

(C) चिड़ियों के एक-दूसरे से पूछने पर कि यह आदमी कौन है और नाच क्यों रहा है

(D) पिताजी के लाठी उठाने पर

उत्तर : (C) चिड़ियों के एक-दूसरे से पूछने पर कि यह आदमी कौन है और नाच क्यों रहा है

7. माँ ने पिताजी से चिड़ियों को न निकालने के लिए क्या कहकर रोका?

(A) कि वे बहुत छोटी हैं (B) कि अब तो इन्होंने अंडे दे दिए होंगे

(C) कि वे बहुत सुंदर हैं (D) कि उन्हें घर पसंद आ गया है

उत्तर : (B) कि अब तो इन्होंने अंडे दे दिए होंगे

8. गौरैया ने अपना घोंसला कहाँ बनाया?

(A) खिड़की पर (B) रोशनदान पर

(C) बैठक की छत में लगे पंखे के गोले में (D) अलमारी में

उत्तर : (C) बैठक की छत में लगे पंखे के गोले में

9. गौरैयाँ पहली बार घर में घुसने के बाद क्या कर रही थीं?

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE studentbro.in

(A) खाना ढूँढ़ रही थीं (B) खेल रही थीं

(C) उड़-उड़कर मकान का निरीक्षण कर रही थीं (D) अंडे दे रही थीं

उत्तर : (C) उड़-उड़कर मकान का निरीक्षण कर रही थीं

10. घर के अंदर और कौन से जीव-जंतु रहते हैं, जिनके कारण लेखक ठीक से सो नहीं पाते?

(A) बिल्ली (B) चूहे (C) चमगादड़ (D) छिपकली

उत्तर : (B) चूहे

11. चिड़ियों को घर से बाहर निकालने के लिए लेखक ने कौन सा दरवाजा खुला छोड़ा?

(A) सीढ़ियों वाला दरवाजा (B) किचन वाला दरवाजा (C) मुख्य दरवाजा (D) बालकनी वाला दरवाजा

उत्तर : (B) किचन वाला दरवाजा

12. पिताजी ने पहली बार चिड़ियों को बाहर निकालने के लिए किस उपकरण का उपयोग किया?

(A) झाड़ू (B) पंखा (C) लाठी (D) कुर्सी

उत्तर : (C) लाठी

13. शाम होते ही चमगादड़ क्या करने लगते हैं?

(A) सो जाते हैं (B) कमरों के आर-पार पर फैलाए कसरत करते हैं

(C) खाना खाते हैं (D) बाहर उड़ जाते हैं

उत्तर : (B) कमरों के आर-पार पर फैलाए कसरत करते हैं

14. इतवार के दिन जब लेखक और उनके परिवार वाले नीचे उतरे तो गौरैया क्या कर रही थी?

(A) खाना खा रही थी (B) लड़ रही थी

(C) मजे से बैठी मल्हार गा रही थी (D) सो रही थी

उत्तर : (C) मजे से बैठी मल्हार गा रही थी

15. चिड़ियाँ दरवाजे बंद होने के बाद किस रास्ते से दोबारा घर में घुस आईं?

(A) खिड़की से (B) रोशनदान से जिसका एक शीशा टूटा हुआ था

(C) छत से (D) दीवार में से

उत्तर : (B) रोशनदान से जिसका एक शीशा टूटा हुआ था

*** रिक्त स्थानों की पूर्ति उचित रूप से कीजिए।** [10]

16. अंत में घोंसले से _____ झाँकने लगीं और चीं-चीं करने लगीं।

उत्तर : नन्हीं गौरैयाँ

17. आँगन में _____ का पेड़ था।

उत्तर : आम

18. एक दिन दो _____ घर के अंदर घुस आईं।

उत्तर : गौरैयाँ

19. गौरैयों ने _____ की छत पर लगे पंखे के गोले में घोंसला बनाया।

उत्तर : बैठक

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE studentbro.in

20. घर के अंदर रात-भर _____ भागते रहते थे।

उत्तर : चूहे

21. पिताजी का दृष्टिकोण अंत में बदल गया और वे गौरैयों को देखकर केवल _____ लगे।

उत्तर : मुस्कुराने

22. पिताजी गौरैयों को घर से _____ चाहते थे।

उत्तर : निकालना

23. माँ चाहती थीं कि गौरैयों को _____ न जाए।

उत्तर : भगाया

24. लेखक के घर में _____ , _____ और लेखक रहते थे।

उत्तर : माँ, पिताजी

25. लेखक के घर में तरह-तरह के _____ डेरा डाले रहते थे।

उत्तर : पक्षी

*** प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में लिखिए।** [15]

26. आम के पेड़ पर कौन डेरा डाले रहते हैं?

उत्तर : आम के पेड़ पर तरह-तरह के पक्षी डेरा डाले रहते हैं।

27. एक चूहा अँगीठी के पीछे क्यों बैठना पसंद करता है?

उत्तर : एक चूहा अँगीठी के पीछे बैठना इसलिए पसंद करता है क्योंकि शायद वह बूढ़ा है और उसे सर्दी बहुत लगती है।

28. एक दूसरा चूहा कहाँ बैठना पसंद करता है और क्यों?

उत्तर : एक दूसरा चूहा बाथरूम की टंकी पर चढ़कर बैठना पसंद करता है क्योंकि उसे शायद गरमी बहुत लगती है।

29. कबूतरों की आवाज को लेखक ने क्या कहा है?

उत्तर : कबूतरों की आवाज को लेखक ने 'गुटर गुटर गूँ' का संगीत कहा है।

30. गौरैया पहली बार घर में घुसने के कितने दिन बाद घोंसला बनाने आईं?

उत्तर : गौरैया पहली बार घर में घुसने के दो दिन बाद घोंसला बनाने आईं।

31. घर में रात-भर कौन भागते फिरते हैं?

उत्तर : घर में रात-भर चूहे एक कमरे से दूसरे कमरे में भागते फिरते हैं।

32. पिताजी घर को सराय क्यों कहते हैं?

उत्तर : पिताजी घर को सराय इसलिए कहते हैं क्योंकि उसमें विभिन्न पक्षी और जीव-जंतु आते-जाते रहते हैं।

33. पिताजी ने गौरैयों को भगाने के लिए कौन सी शारीरिक क्रियाएँ कीं?

उत्तर : पिताजी ने जोर से ताली बजाई, मुँह से 'श... शू' कहा, बाँहें झुलाई और खड़े-खड़े कूदे।

34. माँ ने सिर हिलाकर क्या कहा जब उन्होंने देखा कि गौरैया ने घोंसला बना लिया है?

उत्तर : माँ ने सिर हिलाकर कहा कि “अब तो ये नहीं उड़ेंगी। अब तो इन्होंने यहाँ घोंसला बना लिया है।"

35. पिताजी को माँ पर कब और गुस्सा आया?

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE studentbro.in

उत्तर : पिताजी को तब गुस्सा आया जब माँ दरवाजों के नीचे थोड़ी-थोड़ी जगह खाली देखकर हँस रही थीं और मदद नहीं कर रही थीं।

36. पिताजी ने दरवाजों के नीचे कपड़े क्यों ठूंस दिए?

उत्तर : पिताजी ने दरवाजों के नीचे कपड़े इसलिए दूँस दिए ताकि कहीं कोई छेद बचा नहीं रह जाए और चिड़ियाँ अंदर न आ सकें।

37. लाठी से पंखे के गोले को ठोकने पर गोरैयाँ कहाँ जा बैठीं?

उत्तर : लाठी से पंखे के गोले को ठोकने पर गौरैयाँ उड़कर पर्दे के डंडे पर जा बैठीं।

38. रात में खाना खाकर सोने से पहले लेखक ने क्या देखा?

उत्तर : रात में खाना खाकर सोने से पहले लेखक ने आँगन में झाँककर देखा और चिड़ियाँ वहाँ पर नहीं थीं।

39. घोंसला तोड़ने के लिए पिताजी क्या उठा लाए?

उत्तर : घोंसला तोड़ने के लिए पिताजी बाहर से एक स्टूल उठा लाए।

40. नन्हीं गौरैयाँ सिर निकालकर नीचे की ओर क्या देख रही थीं?

उत्तर : नन्हीं गौरैयाँ सिर निकालकर नीचे की ओर देख रही थीं और 'चीं-चीं' करके मानो अपना परिचय दे रही थीं।

*** निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए।** **[20]**

41. घर में रहने वाले चूहों के कारण परिवार को क्या परेशानी होती थी?

उत्तर : घर में रहने वाले बीसियों चूहे रात-भर एक कमरे से दूसरे कमरे में भागते फिरते थे। उनकी धमा-चौकड़ी से परिवार ठीक से सो भी नहीं पाता था। बर्तन गिरते थे, डिब्बे खुलते थे और प्याले टूटते थे, जिससे काफी परेशानी होती थी।

42. गौरैयाँ ने पहली बार घर का निरीक्षण कैसे किया और उनका मकसद क्या था?

उत्तर : दो गौरेयाँ पहली बार सीधी घर में घुस आईं और बिना पूछे उड़-उड़कर मकान देखने लगीं। पिताजी ने कहा कि वे मकान का निरीक्षण कर रही हैं कि उनके रहने योग्य है या नहीं, जिससे पता चलता है कि वे घर को अपना निवास स्थान बनाने की फिराक में थी।

43. पिताजी के अनुसार उनका घर सराय क्यों बना हुआ है? स्पष्ट कीजिए।

उत्तर : पिताजी कहते हैं कि उनका घर सराय बना हुआ है क्योंकि उसमें लगातार तरह-तरह के पक्षी और जीव-जंतु आते-जाते रहते हैं। उन्हें लगता है कि घर के मालिक वे नहीं बल्कि वे जीव ही हैं, जैसे कि घर का पता लिखवाकर लाए हों।

44. पिताजी के गुस्से को देखकर माँ की क्या प्रतिक्रिया थी और उन्होंने क्या कहा?

उत्तर : पिताजी को जब गुस्सा आया और वह गौरैयों को भगाने के लिए कूदने लगे, तो माँ खिलखिलाकर हँसने लगीं। उन्होंने व्यंग्य में कहा कि चिड़ियाँ एक-दूसरे से पूछ रही हैं कि यह आदमी कौन है और नाच क्यों रहा है, जिससे पिताजी और भी गुस्सा हो गए।

45. माँ ने गौरैयाँ के घोंसला बनाने के बाद पिताजी को उन्हें उड़ाने से क्यों मना किया?

उत्तर : जब गौरैयाँ ने घोंसला बना लिया तो माँ ने पिताजी से कहा कि अब वे नहीं उड़ेंगी। उन्होंने तर्क दिया कि अब तो उन्होंने अंडे दे दिए होंगे, इसलिए उन्हें अब निकालना संभव नहीं होगा।

46. जब पिताजी घोंसला तोड़ रहे थे, तब माँ की प्रतिक्रिया कैसी थी?

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE studentbro.in

उत्तर : जब पिताजी घोंसला तोड़ रहे थे और दो तिनके अलग हुए, तो माँ हँसकर बोलीं, "चलो, दो तिनके तो निकल गए, अब बाकी दो हजार भी निकल जाएँगे!" यह दर्शाता है कि माँ को पिताजी के प्रयासों पर हँसी आ रही थी और वह जानती थी कि यह आसान काम नहीं है।

47. पिताजी ने लाठी का उपयोग करके घोंसला तोड़ने का प्रयास कैसे किया?

उत्तर : पिताजी एक स्टूल उठा लाए और उस पर चढ़ गए। उन्होंने लाठी का सिरा सूखी घास के तिनकों पर जमाया और उसे घुमाने लगे। इससे घोंसले के लंबे-लंबे तिनके लाठी के सिरे के साथ लिपटने लगे और घोंसला लाठी के इर्द-गिर्द खिंचता चला आने लगा।

48. माँ ने नन्हीं चिड़ियों को उनके माँ-बाप से मिलाने के लिए क्या किया?

उत्तर : नन्हीं चिड़ियाँ जब अपने माँ-बाप को बुला रही थीं, तो माँ कुर्सी से उठीं और उन्होंने सभी दरवाजे खोल दिए। इससे माँ-बाप गौरैयाँ तुरंत अंदर आ गईं और अपने बच्चों से जा मिलीं, उनकी चोंचों में चुग्गा डालने लगीं।

49. नन्हीं गौरैयाँ को देखकर लेखक और पिताजी की क्या प्रतिक्रिया थी?

उत्तर : नन्हीं गौरैयाँ को देखकर लेखक अवाक् उनकी ओर देखता रहा। पिताजी के हाथ ठिठक गए और उन्होंने लाठी को एक ओर रख दिया और चुपचाप कुर्सी पर आकर बैठ गए। यह दर्शाता है कि बच्चों को देखकर उनका हृदय पिघल गया था।

50. अंत में पिताजी के व्यवहार में क्या बदलाव आया और इसका क्या महत्त्व है?

उत्तर : अंत में पिताजी का गुस्सा शांत हो गया और वे गौरेयाँ की ओर देख-देखकर केवल मुस्कुराते रहे। यह उनके हृदय परिवर्तन को दर्शाता है कि उन्होंने चिड़ियों को अपने घर का हिस्सा मान लिया और उन्हें अब भगाने का प्रयास नहीं कर रहे थे।

*** निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए।** **[18]**

51. लेखक ने घर में रहने वाले विभिन्न प्राणियों का वर्णन कैसे किया है, जिससे यह आभास होता है कि वे भी मनुष्यों की तरह व्यवहार करते हैं? उदाहरण सहित स्पष्ट करें।

उत्तर : लेखक ने घर में रहने वाले विभिन्न प्राणियों का मानवीकरण किया है। चूहों के बारे में बताया है कि एक चूहा अँगीठी के पीछे बैठना पसंद करता है 'शायद बूढ़ा है उसे सर्दी बहुत लगती है', और दूसरा बाथरूम की टंकी पर चढ़कर बैठना पसंद करता है 'उसे शायद गरमी बहुत लगती है'। बिल्ली के बारे में कहा गया है कि "मन आया तो अंदर आकर दूध पी गई, न मन आया तो बाहर से ही 'फिर आऊँगी' कहकर चली जाती है"। गौरैयाँ तो 'मकान का निरीक्षण कर रही हैं कि उनके रहने योग्य है या नहीं', और 'मजे से दोनों बैठी गाना गा रही हैं' कहा गया है। ये सभी वर्णन प्राणियों को मानवीय गुणों और व्यवहार से जोड़ते हैं।

52. पिताजी ने गौरैयों को घर से बाहर निकालने के लिए क्या-क्या प्रयास किए और वे असफल क्यों रहे? विस्तृत वर्णन करें।

उत्तर : पिताजी ने गौरैयों को घर से बाहर निकालने के लिए पहले ताली बजाई, 'श... शू' किया और कूदने लगे। जब यह काम नहीं आया तो वे लाठी उठा लाए और घोंसले को ठकोरा, जिससे चिड़ियाँ बाहर निकल गईं। लेकिन वे दरवाजे के नीचे की खाली जगह से वापस आ गईं। पिताजी ने दरवाजों के नीचे कपड़े ठूंसे, लेकिन वे रोशनदान के टूटे शीशे से फिर अंदर आ गईं। अंततः, उन्होंने रोशनदान में भी कपड़ा दूँसा, लेकिन चिड़ियाँ हर बार किसी न किसी रास्ते से वापस आ ही जाती थीं। उनकी असफलता का मुख्य कारण चिड़ियों का दृढ़ निश्चय और घर के प्रति उनका लगाव था।

53. कहानी में 'हार मानना' शब्द का क्या महत्त्व है? पिताजी और गौरैयों के संदर्भ में इसकी व्याख्या करें।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE studentbro.in

उत्तर : कहानी में 'हार मानना' एक महत्त्वपूर्ण विषय है। पिताजी बार-बार कहते हैं कि 'मैं हार मानने वाला आदमी नहीं हूँ', लेकिन गौरैयों की लगातार वापसी उन्हें परेशान कर देती है। वे घोंसला तोड़ने का निर्णय लेते हैं। यह दर्शाता है कि पिताजी ने अपनी जिद और प्रयासों के बावजूद अंततः हार मान ली कि वे गौरैयों को अपने घर से नहीं निकाल सकते। दूसरी ओर, गौरैयाँ कभी हार नहीं मानतीं। उन्हें बार-बार बाहर निकाला जाता है, लेकिन वे हर बार किसी न किसी रास्ते से वापस आ जाती हैं। वे किसी भी कीमत पर हार मानने को तैयार नहीं थीं। अंततः, उनकी दृढ़ता ही जीतती है।

54. जब नन्हीं गौरैयाँ प्रकट हुईं, तो पूरे घर का माहौल कैसे बदल गया? विस्तार से लिखिए।

उत्तर : जब पिताजी घोंसला तोड़ रहे थे, तभी नन्हीं गौरैयाँ की 'चीं-चीं' की आवाज सुनाई पड़ी और वे पंखे के गोले के ऊपर से सिर निकाले नीचे की ओर देख रही थीं। इस आवाज को सुनकर पिताजी के हाथ ठिठक गए और वे अवाक् रह गए। नन्हीं चिड़ियों की उपस्थिति ने पिताजी के कठोर व्यवहार को बदल दिया; उन्होंने लाठी एक ओर रख दी और चुपचाप कुर्सी पर बैठ गए। माँ ने तुरंत सभी दरवाजे खोल दिए, जिससे नन्हीं चिड़ियों के माँ-बाप अंदर आ गए। कमरे में फिर से शोर होने लगा, लेकिन इस बार पिताजी गुस्सा होने के बजाय केवल मुस्कुरा रहे थे।

55. माँ का व्यवहार पिताजी के व्यवहार से किस प्रकार भिन्न था? कहानी के संदर्भ में स्पष्ट कीजिए।

उत्तर : माँ का व्यवहार पिताजी के व्यवहार से बिल्कुल भिन्न था। जहाँ पिताजी गौरैयों को घर से निकालने के लिए क्रोधित और आक्रामक थे, वहीं माँ शांत और समझदार थीं। माँ पिताजी के प्रयासों पर हँसती थीं और व्यंग्य करती थीं। माँ ने गौरैयों को न निकालने की सलाह दी क्योंकि उन्हें पता था कि उन्होंने अंडे दे दिए होंगे। नन्हीं चिड़ियों को देखकर माँ ने तुरंत दरवाजे खोल दिए ताकि उनके माँ-बाप अंदर आ सकें। इससे पता चलता है कि माँ में करुणा और समझदारी अधिक थी, जबकि पिताजी चिड़ियों को एक समस्या के रूप में देखते थे।

56. भीष्म साहनी के 'लेखक से परिचय' के आधार पर उनके साहित्यिक योगदान का संक्षेप में वर्णन करें।

उत्तर : भीष्म साहनी (1915-2003) हिन्दी साहित्य के एक बहुमुखी प्रतिभा के लेखक थे। उन्होंने अपनी कहानियों में देश विभाजन और मानवीय मूल्यों की मार्मिक अभिव्यक्ति की है। उनके प्रसिद्ध उपन्यास 'तमस' के लिए उन्हें साहित्य अकादमी पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। साहित्य में उनके महत्त्वपूर्ण योगदान के लिए भारत सरकार ने उन्हें पद्मभूषण से अलंकृत किया था। बच्चों के लिए भी उन्होंने कई कहानियाँ लिखीं, जिनमें 'गुलेल का खेल' प्रमुख है।

*** निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सही उत्तर लिखिए।** **[45]**

घर के अंदर भी यही हाल है। बीसियों तो चूहे बसते हैं। रात भर एक कमरे से दूसरे कमरे में भागते फिरते हैं। वह धमा-चौकड़ी मचती है कि हम लोग ठीक तरह से सो भी नहीं पाते। बर्तन गिरते हैं, डिब्बे खुलते हैं, प्याले टूटते हैं। एक चूहा अँगीठी के पीछे बैठना पसंद करता है, शायद बूढ़ा है, उसे सर्दी बहुत लगती है। एक दूसरा है जिसे बाथरूम की टंकी पर चढ़कर बैठना पसंद है, उसे शायद गरमी बहुत लगती है।

57. घर के अंदर किसका बसेरा है?

(अ) बिल्लियों का (ब) कुत्तों का

(स) चूहों का (द) पक्षियों का

58. चूहों की धमा-चौकड़ी से क्या होता है?

(अ) घर के लोग ठीक से सो नहीं पाते

(ब) बर्तन गिरते हैं

(स) डिब्बे खुलते हैं

(द) उपर्युक्त सभी

59. जो चूहा अँगीठी के पीछे बैठना पसंद करता है, लेखक ने उसके बारे में क्या अनुमान लगाया है?

(अ) वह जवान है

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE studentbro.in

(ब) उसे गर्मी बहुत लगती है
(स) वह बूढ़ा है और उसे सर्दी बहुत लगती है
(द) वह बहुत फुर्तीला है।
60. घर के अंदर चूहों की क्या गतिविधियाँ होती हैं?
61. बाथरूम की टंकी पर चढ़कर बैठना किस चूहे को पसंद है, और क्यों?

उत्तर : 1. (स) चूहों का
2. (द) उपर्युक्त सभी
3. (स) वह बूढ़ा है और उसे सर्दी बहुत लगती है
4. घर के अंदर बीसियों चूहे बसते हैं। वे रात-भर एक कमरे से दूसरे कमरे में भागते फिरते हैं, जिससे धमा-चौकड़ी मचती है।
5. दूसरे चूहे को बाथरूम की टंकी पर चढ़कर बैठना पसंद है, शायद उसे गर्मी बहुत लगती है।

घोंसला तोड़ना कठिन काम नहीं था। उन्होंने पंखे के नीचे फर्श पर स्टूल रखा और लाठी लेकर स्टूल पर चढ़ गए। "किसी को सचमुच बाहर निकालना हो, तो उसका घर तोड़ देना चाहिए," उन्होंने गुस्से से कहा।
62. घोंसला तोड़ना कैसा काम बताया गया है?
(अ) बहुत आसान
(ब) कठिन नहीं
(स) अनुचित
(द) आसान
63. पिताजी ने स्टूल कहाँ रखा?
(अ) पंखे के ऊपर
(ब) पंखे के नीचे फर्श पर
(स) दीवार के पास
(द) दरवाजे के पास
64. पिताजी स्टूल पर क्यों चढ़े?
(अ) लाठी रखने के लिए
(ब) पंखा साफ करने के लिए
(स) घोंसला तोड़ने के लिए
(द) बाहर देखने के लिए
65. पिताजी ने किस भावना में आकर कहा, "किसी को सचमुच बाहर निकालना हो, तो उसका घर तोड़ देना चाहिए"?
66. इस कथन से पिताजी की मनः स्थिति के बारे में क्या पता चलता है?

उत्तर : 1. (ब) कठिन नहीं
2. (ब) पंखे के नीचे फर्श पर
3. (स) घोंसला तोड़ने के लिए
4. पिताजी ने गुस्से की भावना में आकर यह बात कही।
5. इस कथन से पता चलता है कि पिताजी बहुत क्रोधित हैं और किसी को उस जगह से हटाने के लिए उसका आसरा तोड़ने को भी तैयार हैं।

तभी पंखे के ऊपर से चीं-चीं की आवाज सुनाई पड़ी। और माँ खिलखिलाकर हँस दी। मैंने सिर उठाकर ऊपर की ओर देखा, दोनों गौरैयाँ फिर से अपने घोंसले में मौजूद थीं। "दरवाजे के नीचे से आ गई हैं, " माँ बोली।
मैंने दरवाजे के नीचे देखा। सचमुच दरवाजों के नीचे थोड़ी-थोड़ी जगह खाली थी। पिताजी को फिर गुस्सा आ गया।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE studentbro.in

माँ मदद तो करती नहीं थीं, बैठी हँसे जा रही थीं।

67. चीं-चीं की आवाज कहाँ से आ रही थी?

(अ) छत पर से (ब) दीवार पर से

(स) ऊपर से (द) नीचे से

68. माँ खिलखिलाकर क्यों हँसी ?

(अ) क्योंकि बेटी गुस्सा थी (ब) क्योंकि गौरैया घोंसले में थीं

(स) क्योंकि पंखा खराब था (द) क्योंकि पिताजी को गुस्सा आ रहा था

69. माँ ने क्या कहा जब गौरेया घोंसले में थीं?

(अ) "पंखा बंद कर दो।" (ब) "दरवाजे के नीचे से आ गई हैं।"

(स) "गौरैयाँ उड़ गईं।" (द) "पिताजी को बुलाओ।"

70. माँ की प्रतिक्रिया क्या थी जब उसने आवाज सुनी और गौरैयों को देखा?

71. बच्चे ने दरवाजे के नीचे क्या देखा?

उत्तर : 1. (स) ऊपर से

2. (ब) क्योंकि गौरैया घोंसले में थीं

3. (ब) "दरवाजे के नीचे से आ गई हैं।"

4. आवाज सुनने और गौरैयों को घोंसले में देखकर माँ खिलखिलाकर हँस दी।

5. बच्चे ने दरवाजे के नीचे देखा कि थोड़ी-थोड़ी जगह खाली थी।

मैं अवाक् उनकी ओर देखता रहा। फिर मैंने देखा, पिताजी स्टूल पर से नीचे उतर आए हैं और घोंसले के तिनकों में से लाठी निकालकर उन्होंने लाठी को एक ओर रख दिया है और चुपचाप कुर्सी पर आकर बैठ गए हैं। इस बीच माँ कुर्सी पर से उठीं और सभी दरवाजे खोल दिए। नन्हीं चिड़ियाँ अभी भी हाँफ-हाँफकर चिल्लाए जा रही थीं और अपने माँ-बाप को बुला रही थीं।

उनके माँ-बाप झट-से उड़कर अंदर आ गए और चीं-चीं करते उनसे जा मिले और उनकी नन्हीं-नन्हीं चोंचों में चुग्गा डालने लगे। माँ-पिताजी और मैं उनकी ओर देखते रह गए। कमरे में फिर से शोर होने लगा था, पर अबकी बार पिताजी उनकी ओर देख-देखकर केवल मुस्कुराते रहे।

72. नन्हीं चिड़ियाँ क्या कर रही थीं?

(अ) गा रही थीं

(ब) सो रही थीं

(स) हाँफ-हाँफकर चिल्ला रही थीं

(द) खेल रही थीं

73. माँ-बाप गौरैया अंदर आकर नन्हीं चिड़ियों के लिए क्या करने लगे?

(अ) उनसे बातें करने लगे

(ब) उनकी चोंचों में चुग्गा डालने लगे

(स) उन्हें डाँटने लगे

(द) उन्हें बाहर ले जाने लगे

74. इस बार पिताजी की प्रतिक्रिया क्या थी?

(अ) वे गुस्सा हो रहे थे

(ब) वे उनकी ओर देख-देखकर केवल मुस्कुरा रहे थे

(स) वे उन्हें भगा रहे थे

(द) वे शोर मचा रहे थे

75. जब पिताजी स्टूल से नीचे उतरे, तो उन्होंने घोंसले और लाठी के साथ क्या किया?

76. माँ ने क्या किया जब नन्हीं चिड़ियाँ चिल्ला रही थीं?

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE studentbro.in

उत्तर : 1. (स) हाँफ-हाँफकर चिल्ला रही थीं
2. (ब) उनकी चोंचों में चुग्गा डालने लगे
3. (ब) वे उनकी ओर देख-देखकर केवल मुस्कुरा रहे थे
4. पिताजी ने घोंसले के तिनकों में से लाठी निकालकर उसे एक ओर रख दिया।
5. माँ कुर्सी से उठीं और उन्होंने सभी दरवाजे खोल दिए।

घर में हम तीन ही व्यक्ति रहते हैं- माँ, पिताजी और मैं। पर पिताजी कहते हैं कि यह घर सराय बना हुआ है। हम तो जैसे यहाँ मेहमान हैं, घर के मालिक तो कोई दूसरे ही हैं।
आँगन में आम का पेड़ है। तरह-तरह के पक्षी उस पर डेरा डाले रहते हैं। जो भी पक्षी पहाड़ियों-घाटियों पर से उड़ता हुआ दिल्ली पहुँचता है, पिताजी कहते हैं वही सीधा हमारे घर पहुँच जाता है, जैसे हमारे घर का पता लिखवाकर लाया हो।

77. घर में कुल कितने व्यक्ति रहते हैं?
(अ) दो (ब) तीन
(स) चार (द) पाँच
78. पिताजी के अनुसार, घर क्या बन गया है?
(अ) महल (ब) आश्रम
(स) सराय (द) दुकान
79. घर के आँगन में कौन-सा पेड़ है?
(अ) नीम का पेड़ (ब) बरगद का पेड़
(स) आम का पेड़ (द) पीपल का पेड़
80. आँगन में आम के पेड़ पर कौन डेरा डाले रहता है?
81. पिताजी को दिल्ली पहुँचने वाले पक्षियों के बारे में क्या लगता है?

उत्तर : 1. (ब) तीन
2. (स) सराय
3. (स) आम का पेड़
4. आँगन में आम के पेड़ पर तरह-तरह के पक्षी डेरा डाले रहते हैं।
5. पिताजी को लगता है कि जो भी पक्षी पहाड़ियों-घाटियों से उड़ता हुआ दिल्ली पहुँचता है, वह सीधा उनके घर पहुँच जाता है, जैसे उनके घर का पता लिखवाकर लाया हो।

अब एक दिन दो गौरैया सीधी अंदर घुस आईं और बिना पूछे उड़-उड़कर मकान देखने लगीं। पिताजी कहने लगे कि मकान का निरीक्षण कर रही हैं कि उनके रहने योग्य है या नहीं। कभी वे किसी रोशनदान पर जा बैठतीं, तो कभी खिड़की पर। फिर जैसे आई थीं वैसे ही उड़ भी गईं। पर दो दिन बाद हमने क्या देखा कि बैठक की छत में लगे पंखे के गोले में उन्होंने अपना बिछावन बिछा लिया है और सामान भी ले आई हैं और मजे से दोनों बैठी गाना गा रही हैं। जाहिर है, उन्हें घर पसंद आ गया था।

82. गौरैया घर में घुसने के बाद क्या करने लगीं?
(अ) सीधे घोंसला बनाने लगीं
(ब) उड़-उड़कर मकान देखने लगीं
(स) पिताजी से बातें करने लगीं
(द) खाना ढूँढ़ने लगीं
83. गौरैया कहाँ-कहाँ बैठीं?
(अ) केवल रोशनदान पर
(ब) केवल खिड़की पर

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE studentbro.in

(स) रोशनदान पर और खिड़की पर
(द) पंखे पर
84. कितने दिन बाद गौरैयों ने पंखे के गोले में अपना बिछावन बिछा लिया?
(अ) एक दिन बाद (ब) दो दिन बाद
(स) तीन दिन बाद (द) उसी दिन
85. पिताजी ने गौरैयों के व्यवहार को देखकर क्या कहा?
86. दो दिन बाद गौरैयों ने घर में क्या किया?

उत्तर : 1. (ब) उड़-उड़कर मकान देखने लगीं
2. (स) रोशनदान पर और खिड़की पर
3. (ब) दो दिन बाद
4. पिताजी ने गौरैयों के व्यवहार को देखकर कहा कि वे मकान का निरीक्षण कर रही हैं कि वह उनके रहने योग्य है या नहीं।
5. दो दिन बाद गौरैयों ने बैठक की छत में लगे पंखे के गोले में अपना बिछावन बिछा लिया, सामान भी ले आईं और मजे से बैठी गाना गा रही थीं।

पिताजी ने फिर लाठी उठाई और गौरैयों पर हमला बोल दिया। एक बार तो झूलती लाठी माँ के सिर पर लगते-लगते बची। चीं-चीं करती चिड़ियाँ कभी एक जगह तो कभी दूसरी जगह जा बैठतीं। आखिर दोनों किचन की ओर खुलने वाले दरवाजे में से बाहर निकल गईं। माँ तालियाँ बजाने लगी। पिताजी ने लाठी दीवार के साथ टिकाकर रख दी और छाती फैलाए कुर्सी पर आ बैठे।
87. पिताजी ने गौरैयों पर हमला करने के लिए क्या उठाया?
(अ) डंडा (ब) लाठी
(स) झाड़ू (द) बेल्ट
88. लाठी किसके सिर पर लगते-लगते बची?
(अ) पिताजी के (ब) लेखक के
(स) माँ के (द) गौरैया के
89. चिड़ियाँ कैसी आवाज कर रही थीं?
(अ) गुटर गूँ (ब) चीं-चीं
(स) काँव-काँव (द) कुहू-कुहू
90. पिताजी ने गौरैयों पर हमला क्यों किया?
91. गौरैयों के बाहर निकलने के बाद पिताजी ने क्या किया?

उत्तर : 1. (ब) लाठी
2. (स) माँ क
3. (ब) चीं-चीं
4. पिताजी ने गौरैयों पर हमला इसलिए किया ताकि वे घर से बाहर निकल जाएँ, क्योंकि वे नहीं चाहते थे कि गौरेयाँ घर में रहें।
5. गौरैयों के बाहर निकलने के बाद पिताजी ने लाठी दीवार के साथ टिकाकर रख दी और छाती फुलाकर कुर्सी पर बैठ गये।

अब पिताजी लाठी का सिरा घास के तिनकों के ऊपर रखकर वहीं रखे-रखे घुमाने लगे। इससे घोंसले के लंबे-लंबे तिनके लाठी के सिरे के साथ लिपटने लगे। वे लिपटते गए, लिपटते गए और घोंसला लाठी के इर्द-गिर्द खिंचता चला आने लगा।
92. लाठी के सिरे के साथ क्या लिपट रहा था?

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE studentbro.in

(अ) लंबी रस्सी
(ब) घोंसले के लंबे-लंबे तिनके
(स) घास के छोटे टुकड़े
(द) कोई धागा
93. तिनके लिपटते जाने का परिणाम क्या हुआ?
(अ) घोंसला टूट गया
(ब) घोंसला ढीला हो गया
(स) घोंसला लाठी के इर्द-गिर्द खिंचता चला आने लगा
(द) घोंसला ऊपर चला गया
94. पिताजी ने किस का सिरा घास के तिनके पर रखा?
(अ) रस्सी (ब) लाठी
(स) लकड़ी का टुकड़ा (द) डंडा
95. घोंसला किसके चारों ओर खिंचने लगा?
96. लाठी के सिरे के साथ तिनकों के लिपट जाने का क्या असर हुआ?

उत्तर : 1. (ब) घोंसले के लंबे-लंबे तिनक
2. (स) घोंसला लाठी के इर्द-गिर्द खिंचता चला आने लगा
3. (ब) लाठी
4. लाठी के इर्द-गिर्द।
5. लाठी के सिरे के साथ तिनकों के लिपट जाने से घोंसला धीरे-धीरे लाठी के इर्द-गिर्द खिंचता चला आने लगा।

तभी सहसा जोर की आवाज आई, "चीं-चीं, चीं-चीं!!!"
पिताजी के हाथ ठिठक गए। यह क्या? क्या गौरैयाँ लौट आई हैं? मैंने झट से बाहर की ओर देखा। नहीं, दोनों गौरेयाँ बाहर दीवार पर गुमसुम बैठी थीं।
"चीं-चीं, चीं-चीं!" फिर आवाज आई। मैंने ऊपर देखा। पंखे के गोले के ऊपर से नन्हीं-नन्हीं गौरैयाँ सिर निकाले नीचे की ओर देख रही थीं और चीं-चीं किए जा रही थीं।
97. कैसी आवाज आई?
(अ) "कु-कू, कु-कू!!!"
(ब) "चीं-चीं, चीं-चीं !!!"
(स) "काँव-काँव, काँव-काँव !!!"
(द) "घू-घू, घू-घू!!!"
98. आवाज सुनकर पिताजी के साथ क्या हुआ?
(अ) वे खुश हो गए
(ब) उनके हाथ ठिठक गए
(स) वे डर गए
(द) वे हँसने लगे
99. बेटे ने झट से बाहर की ओर क्यों देखा?
(अ) पिताजी को बुलाने के लिए
(ब) यह देखने के लिए कि क्या गौरैयाँ लौट आई हैं
(स) आवाज का स्रोत जानने के लिए
(द) दीवार देखने के लिए
100. बेटे को बाहर देखने पर क्या पता चला ?
101. पंखे के गोले के ऊपर से कौन और कैसे देख रही थीं?

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE studentbro.in

उत्तर : 1. (ब) "चीं-चीं, चीं-चीं !!!"

2. (ब) उनके हाथ ठिठक गए

3. (ब) यह देखने के लिए कि क्या गौरैयाँ लौट आई हैं

4. बेटे को बाहर देखने पर पता चला कि दोनों गौरैयाँ बाहर दीवार पर गुमसुम बैठी थीं, यानि आवाज उनसे नहीं आ रही थी।

5. पंखे के गोले के ऊपर से नन्हीं-नन्हीं गौरैयाँ सिर निकाले नीचे की ओर देख रही थीं।

----- -----

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE studentbro.in